ISSN 3107-8583 www.loksanskruti.in
लोक-संस्कृति
पीयर रिव्यूड बहुविषयक ऑनलाइन ई-पत्रिका

आलेख आमंत्रण

लोक-संस्कृति ई-पत्रिका (त्रैमासिक) के **लोक में अन्न अनुष्ठान और प्रथाएँ** विशेषांक हेतु

सम्मानीय,

'अन्नं हि जीवनं' अर्थात् अन्न ही जीवन है। यह विश्वास, सृष्टि के प्रथम प्राणी के आविर्भूत होने से लेकर आज तक विश्वस्त है तथापि लोक में अन्नोत्पत्ति जीवोत्पत्ति के पर्याय बने। लोक, अन्न उत्पादन से भोजन प्राप्ति तक विभिन्न अनुष्ठान क्रियान्वित करता है। अन्न लोक का अभिन्न अंग है, इसे 'प्रसाद' की उपमा दी गई है। इसलिए लोक में अन्न का महत्त्व बहुत गहरा और बहुआयामी है।

अन्न से जुड़े विभिन्न अनुष्ठान भारतीय संस्कृति के महत्त्वपूर्ण क्रियाकलाप के अन्तर्गत् आते हैं तथापि लोक और अन्न पर्याय हुए। लोक में अन्न की कथा-कहानियाँ तो ऐसे व्याप्त हैं जैसे नियंता का विधान इसी में सन्निहित हो। अन्न ज्ञात एवं ज्ञान दोनों का हेतु है इसलिए धरती-पृथ्वी से लेकर भाषा-भाव तक का क्षितिज आकल्पित है। माटी की महक का आदर्श 'अन्न' बीज, वृक्ष, फूल, फल रूप में सुवासित होता हुआ लोक परिधि को गढ़ता-मढ़ता है। लोक संस्कारों व विश्वस्त मान्यताओं में अन्न आदि व अंत है, इसलिए इसकी उत्पत्ति की कथाएँ बेहद रोचक एवं चमत्कारी हैं इसी अनुभूति के आसरे लोक विश्वस्त कंठ से मान्यताओं, ज्ञान-विज्ञानों, ऋतुओं, तारे-नक्षत्रों से तादात्म्य स्थापित करता है।

'अन्नाद जगत् कारणा:' यानि अन्न जगत् का कारण है इसलिए हमारी लोक-लीलाएँ 'अन्न' के बिना असंभव हैं। लोक-संस्कृति पर एकाग्र इस ई-पत्रिका के तृतीय विशेषांक **लोक में अन्न अनुष्ठान और प्रथाएँ** हेतु आपके आलेख सादर आमंत्रित हैं। हमारे द्वारा कुछ विषय सुझाए गए हैं जिनके अतिरिक्त विषयानुरूप प्रासंगिक विषय (अन्न केन्द्रित ही) भी विचारणीय होंगे –

- अन्न उत्पत्ति की कथा एवं गाथाएँ
- लोक में विभिन्न अन्न अनुष्ठान एवं अन्न संस्कार
- विभिन्न पर्वों एवं उत्सवों में अन्न अनुष्ठान
- अन्न पर्व, अन्न आसन, रंग, रचनाएँ, उपज के क्षेत्र, अन्न प्रतीक एवं दैवीय मान्यताएँ
- लोकोक्तियों-मुहावरों, कथा-कहानियों में भाव-भाषा में अन्न, कर्म और व्यवहार की मर्यादा में अन्न अनुष्ठान,
- जनजातियों में अन्न सम्बन्धित परम्पराएँ एवं अनुष्ठान
- तंत्र विद्या एवं टोना-टोटका/सम्मोहन में अन्न
- अन्न भंडारण, संरक्षण के पारंपरिक तरीके

अस्तु, तद् विषयक आलेख लगभग 2000 शब्दों में ई-मेल info@loksanskruti.in पर दिनांक **01 जून 2026** तक लेखक का संक्षिप्त परिचय, छायाचित्र एवं मौलिक व अप्रकाशित होने का प्रमाण-पत्र सहित अपेक्षित है।

(डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू)
(9928072766)
अतिथि संपादक

विशेषांक संपादक - डॉ.लक्ष्मीकांत चंदेला (9993458191), डॉ. योग्यता भार्गव(7999597028),
डॉ. श्रीकृष्ण काकड़े(9850250079), लेखराम मोहबे(9755563876), डॉ.सुभाष जाटव (975269010)